



# उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग

## Uttarakhand Subordinate Services Selection Commission

पत्रांक /Ref. No.: 14-79

दिनांक /Date.: 05.02.2021

### संवाद-87

**विषय:- चयन प्रक्रिया के दौरान अभ्यर्थियों द्वारा अनुशासित एवं संयमित व्यवहार के संबंध में।**

प्रिय अभ्यर्थियों,

राज्य सरकार के अधीन विभिन्न सेवाओं में नियुक्ति का अवसर प्राप्त करने के लिए एक निर्धारित चयन प्रक्रिया है। चयन प्रक्रिया के जटिल तथा समयसाध्य होने के बाद भी आयोग अनवरत यह प्रयास कर रहा है कि चयन प्रक्रिया को न्यूनतम समय में पूरा किया जाय। इसके बावजूद कुछ अभ्यर्थियों द्वारा प्रदर्शन, नरोबाजी व गुटबंदी आदि का सहारा लेकर अनुशासनहीनता की जाती है।

आयोग के प्रत्येक विज्ञापन में यह उल्लेख है कि यदि चयन प्रक्रिया के दौरान अभ्यर्थियों का चरित्र लोक सेवा के लिए उपयुक्त होना चाहिए। किसी अभ्यर्थी का व्यवहार अनुशासनहीनता या परीक्षा की शुचिता बाधित करने वाला पाया गया तो उनका अभ्यर्थन निरस्त कर उनके विरुद्ध दण्डात्मक कार्रवाई की जायगी। इसके बावजूद भी ऐसा व्यवहार देखने को मिल रहा है व जो खेदजनक है। लोक सेवा में आने के इच्छुक अभ्यर्थियों से यह व्यवहार बिल्कुल भी अपेक्षित नहीं है। आयोग इसे अत्यंत गंभीरता से लेगा।

हाल ही में सहायक कृषि अधिकारी वर्ग-3 परीक्षा जो दिनांक 19 दिसम्बर, 2020 को हुयी। परीक्षा को 02 माह भी नहीं हुये कि कुछ अभ्यर्थियों ने आयोग कार्यालय में आकर इसके लिए प्रदर्शन किया व इसके चित्र व न्यूज क्लिप मीडिया को भी दी। उल्लेखनीय है कि अभी इससे पूर्व आयोजित परीक्षा का परिणाम भी नहीं आया है। इसे आयोग द्वारा अत्यंत गंभीरता से लिया गया है व उनमें से 02 अभ्यर्थियों को चिन्हित कर उनके अभ्यर्थन को निरस्त करने का नोटिस दिया गया है। उनका यह व्यवहार आयोग व राज्य सरकार की छवि धूमिल करने वाला है।

अन्य अभ्यर्थियों की भी पहचान की जा रही है व उनके विरुद्ध भी ऐसी ही कार्रवाई होगी सभी अभ्यर्थियों से यह अनुरोध है कि वे आयोग की परीक्षा के पूर्व, परीक्षाओं के दौरान व उसके बाद की समय चयन प्रक्रिया में गरिमापूर्ण व्यवहार रखें। किसी भी अभ्यर्थी को सामान्य जानकारी के लिए आयोग में संपर्क करने की आवश्यकता नहीं है। आयोग की वेबसाइट तथा संवाद पृष्ठ के माध्यम से उन्हें पूरी जानकारी यथासमय दी जा रही है। अपने सीमित संसाधनों में आयोग परीक्षा प्रक्रिया को यथासंभव शीघ्रता से पूरा करने का प्रयास कर रहा है। ऐसे में यदि कभी भी ऐसी घटनायें हुयी तो उसके बाद की दण्डात्मक कार्रवाई के लिए अभ्यर्थी स्वयं जिम्मेदार होंगे।

आपसे सदभावना, संयम व सहयोग रखने की अपील के साथ।

आयोग की ओर से,

  
(संतोष बडोनी)  
सचिव।

उत्कृष्टता

पारदर्शिता

वस्तुनिष्ठता